

पी.जी. पंचपरगनिया

Semester- III

Core Course : CCPPG321 भारतीय ज्ञान परंपरा

Model Question Paper – Set A

Paper Code : CCPPG321

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

General Instructions

1. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. The figures in the right margin indicate full marks.
उपांत में दिए गए अंक प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक के द्योतक हैं।
3. Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों समूहों से उत्तर दें।
4. Group – A carries compulsory questions.
समूह-अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. Answer any four questions from Group – B.
समूह-ब के छह प्रश्नों में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दें।
6. Answer all sub-parts of a question at one place.
किसी प्रश्न के सभी उपभागों का उत्तर एक ही स्थान पर लिखें।

Group – A

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें : (1×5=5)

- a) भारतीय ज्ञान परंपरा का मुख्य उद्देश्य क्या है?
- b) आस्तिक दर्शन किसे कहते हैं?
- c) लोकसंस्कृति किसे कहते हैं?
- d) 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का क्या अर्थ है?
- e) आयुर्वेद के जनक किसे माना जाता है?

2. निम्नलिखित का संक्षिप्त उत्तर दें : (5)

(a) महात्मा गांधी के सत्य एवं अहिंसा संबंधी विचारों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

Group – B

निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किसी चार के उत्तर दीजिए।

(4×15=60)

3. भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप, विशेषताओं एवं मूल आधारों का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
4. भारतीय षड्दर्शन (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदान्त) का क्रमबद्ध एवं समालोचनात्मक विवेचन कीजिए।
5. भारतीय लोकज्ञान एवं पारंपरिक ज्ञान प्रणाली का स्वरूप, महत्त्व तथा समकालीन उपयोगिता का विश्लेषण कीजिए।
6. भारतीय आदिवासी लोकसंस्कृति की प्रमुख विशेषताओं एवं भारतीय ज्ञान परंपरा में उसके योगदान का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।
7. नई शिक्षा नीति (NEP-2020) में भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) के समावेश का उद्देश्य, स्वरूप एवं महत्त्व का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
8. डिजिटलीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एवं डिजिटल ह्यूमैनिटीज़ के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन की संभावनाओं का विश्लेषण कीजिए।

Prepared by
Dr. Basudev Mahto
Assistant Professor & In-charge
Department of Panchpargania
P.P.K. College, Bundu
(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)

पी.जी. पंचपरगनिया

Semester-III

Core Course : CCPPG321 भारतीय ज्ञान परंपरा

Model Question Paper – Set B

Paper Code : CCPPG321

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

General Instructions

1. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. The figures in the right margin indicate full marks.
उपांत में दिए गए अंक प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक के द्योतक हैं।
3. Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों समूहों से उत्तर दें।
4. Group – A carries compulsory questions.
समूह-अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. Answer any four questions from Group – B.
समूह-ब के छह प्रश्नों में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दें।
6. Answer all sub-parts of a question at one place.
किसी प्रश्न के सभी उपभागों का उत्तर एक ही स्थान पर लिखें।

Group – A

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें : (1×5=5)

- (i) लोकज्ञान किसे कहते हैं?
- (ii) चार्वाक दर्शन किस वर्ग में आता है?
- (iii) स्वामी विवेकानन्द के गुरु कौन थे?
- (iv) अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया जाता है?
- (v) 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का क्या अर्थ है?

2. निम्नलिखित का संक्षिप्त उत्तर दें : (5)

(a) स्वामी विवेकानन्द के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक विचारों का वर्णन कीजिए।

Group – B

निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किसी चार के उत्तर दीजिए।

(4×15=60)

3. भारतीय ज्ञान परंपरा के ऐतिहासिक विकास का क्रमबद्ध एवं समालोचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

4. भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि, विकास, प्रमुख प्रवृत्तियों एवं भारतीय समाज पर उसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

5. भारतीय लोकसाहित्य (लोककथा, लोकगाथा एवं लोकनाट्य) का भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण में योगदान का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

6. भारतीय लोकसंस्कृति के समक्ष वर्तमान चुनौतियों एवं उनके समाधान के उपायों का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

7. योग एवं आयुर्वेद की समकालीन उपयोगिता तथा वैश्विक स्वीकार्यता का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

8. भारतीय ज्ञान परंपरा के समक्ष वर्तमान चुनौतियों का विवेचन करते हुए उनके समाधान के उपाय सुझाइए।

Prepared by
Dr. Basudev Mahto
Assistant Professor & In-charge
Department of Panchpargania
P.P.K. College, Bundu
(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)

पी.जी. पंचपरगनिया

Semester- III

Core Course : CCPPG321 भारतीय ज्ञान परंपरा

Model Question Paper – Set C

Paper Code : CCPPG321

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

General Instructions

1. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. The figures in the right margin indicate full marks.
उपांत में दिए गए अंक प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक के द्योतक हैं।
3. Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों समूहों से उत्तर दें।
4. Group – A carries compulsory questions.
समूह-अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. Answer any four questions from Group – B.
समूह-ब के छह प्रश्नों में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दें।
6. Answer all sub-parts of a question at one place.
किसी प्रश्न के सभी उपभागों का उत्तर एक ही स्थान पर लिखें।

Group – A

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें : (1×5=5)

- (i) लोकपरंपरा किसे कहते हैं?
- (ii) अनेकांतवाद किस दर्शन का सिद्धांत है?
- (iii) बिरसा मुंडा किस जनजाति से संबंधित थे?
- (iv) नई शिक्षा नीति (NEP) कब लागू की गई?
- (v) डिजिटलीकरण (Digitalization) क्या है?

2. निम्नलिखित का संक्षिप्त उत्तर दें : (5)

(a) डॉ. रामदयाल मुंडा के भाषा, संस्कृति एवं आदिवासी चिंतन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

Group – B

निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किसी चार के उत्तर दीजिए।

(4×15=60)

3. भारतीय ज्ञान परंपरा में ज्ञान की अवधारणा का विवेचन करते हुए उसके दार्शनिक एवं व्यावहारिक पक्षों का विश्लेषण कीजिए।

4. डॉ. रामदयाल मुंडा एवं बिरसा मुंडा के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा में उनके योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

5. भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन में लोकभाषाओं की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

6. वैश्वीकरण, आधुनिकीकरण एवं डिजिटलीकरण का भारतीय लोकसंस्कृति पर प्रभाव का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।

7. भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आत्मनिर्भर भारत, कौशल विकास तथा उद्यमिता के संबंध का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।

8. "भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य के भारत के निर्माण का आधार भी है।" इस कथन के आलोक में भारतीय ज्ञान परंपरा की समकालीन उपयोगिता, चुनौतियों एवं संभावनाओं का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

Prepared by
Dr. Basudev Mahto
Assistant Professor & In-charge
Department of Panchpargania
P.P.K. College, Bundu
(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)